मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 26 जून 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	26/06/15	27/06/15	28/06/15	29/06/15	30/06/15
वर्षा (मि.मी.)	3	2	1	1	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	37	38	39	40	41
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	26	27	28	29	30
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	5	6	5	4	3
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	79	72	68	64	62
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	32	30	28	26	24
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	20	20	20	18	16
हवा की दिशा	पश्चिम–उत्तर–पश्चिम	पश्चिम–उत्तर–पश्चिम	पश्चिम–उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

जहाँ कही बुवाई लायक वर्षा हो गई हो तो किसान भाई खरीफ फसलो की बुवाई करें।

खरीफ की फसल बाजरा, मूंग व मोठ की बुवाई के लिए निम्न किस्मों की सिफारिश की जाती है।

बाजरा :– आर.एच.बी–177, आई.सी.टी.पी.–8203, आर.एच.बी–121, आर.एच.बी–173, आर.एच.बी–154, जी.एच.बी.–538,एच.एच.बी–67 (इम्प्रूव्ड), बुवाई के लिए 4 किलो बीज प्रति हैक्टेयर उपयोग करें।

मूंग :– के–851, आर.एम.जी–268, आर.एम.जी–344 व जी.एम–4, बुवाई हेतु 15–20 किलो बीज प्रति हैक्टेयर उपयोग में लें।

मोठ :– आर.एम.ओ–40, आर.एम.ओ–257, आर.एम.ओ–225 व काजरी मोठ–2, बुवाई के लिए 10 किलो बीज प्रति हैक्टेयर उपयोग में लें।

जड़ गलन रोग से बचाने के लिए मूंग को 2.5 ग्राम व मोठ को 4 ग्राम थाईरम से प्रति किलो बीजों को उपचारित कर बुवाई करें।

पशुपालक पशुओं में गलघोंटू व लंगड़ा बुखार रोग के टीके लगवाएं।

(नौडल ऑफीसर)